

॥ कातञ्जवलाजातिनिभ्रतिस्त्रयावा॥ निनमतगनो
 यस्तकस्तहनमानिकञ्जतमनकायाञ्जसहवदतानननकायउगाध
 सिद्धिननसिद्धिस्त्रामिष्टमयिनात्थास्त्राय॥ ॥ नगयदमननो
 यथापनञ्जदनेञ्जमृतसुवालाचदमाउतयञ्जसकायसासहाता
 ॥ सावदञ्जसामनियमतलासनहवसनसुवयलासखल॥ ॥

214

चतुर्विंशति सासदत गिनससवन कातिविनदिनयलस्माननूयक
रा उासासननजसजानया नजिवतन हनिहनिधनध्याननूग
नसखन ॥ ५ ॥ हतिहनमनननसताखसथन माया माहयासरु
नकायामिनिधुना ॥ ६ ॥ चतुर्वलमानसल दूयाह तसत्र वलात्रविता नह
समकसखमील ॥ ७ ॥ एकनिद्रदनसमसख विरानीग सोधन

प्रति आस्वामि (मयिनाधम गीत ॥ ८ ॥ नागमात्रवागमदत्र ॥ चत
नामशन ऊआधीनमसयायासा उाक्का व्याधीन ॥ खन ऊमा धवश
हसीनदनकन उाया गुलसीन ॥ विसमवना नरयवीन मका
नमन जीवतथान ॥ वचननमदागयधय निनसन उकुसिपवाय
मव्याजितविस्वासन च्चाय वदायि लाह तति निस्वाय ॥ सिद्धिननसि

आसामितव. (गं) पिनाथयनवथासंव॥ ॥ नागमालवा॥ तयन
सनहृद्वाया नत्र. आवगिन. अनवतवनदह नहीन॥ यल द्वियह
लक्ष्मिचक्षु नत्र. दतलन. नाश्वविमुखदयिवनकन॥ वडनसम
अतनन. नसमनि. आवजिवमनसूनदरुदनि॥ जमूनासिक्मव
तनन. वायाताया. सिह नसिततमियाकातसाया॥ सिद्धिनसिंझ

स्वामिनन. गुलनिधि. मसवविधिनल्लमिनाथाविधि॥ ॥ नाग
रथानि॥ ॥ वसवततनस. कूलवनधन. सुप्रमस्वसुगवि
नितिदजाना. साया नहयउयमामलवनवृकन. तिनियानगनन
निहू निलमन॥ ॥ वसहदससउ। नजिवसतिमन. लाजधनअम
नला कनकथन॥ ॥ कामस नवससानकायाववधीन. कवलशान

दयसनतनविधिन॥६॥जनमजनमयाजननयनकनमसरुनर
तजकूलधनमजनम॥६॥सिद्धिननसिद्धिस्वामिगपिनाथ॥राव
दलसुतलमलतुलनसुखसावा॥६॥ ॥नाममातव॥६॥मशावस
हनखानचन्द्रमातजानखनवनमद्वानथयनअन्धकान॥सुदनिम
नसुद्वानहनजविचानकादुरुलाशुलअवसनसम्भमान॥६॥

विचिउचतमचानचनतिवातावचनहनथेतनसुलमजया
वा॥६॥समित्रसचउममयानमलातनहननिखियतनमहनिसनि
माताननतल्लतसमद्वानिलाहवानरुमलशुलनशातामाना
उतिदान॥६॥पूनुवापूनुवननयनमलानसिद्धिननसिद्धि
स्वामिगपिनाथ॥६॥ ॥नामकाजवा॥६॥विनतकन

सर्वलसूनान् नामतवचननततनकाम॥ नृपनसिकस
जोवनमदवानखेनजधनतयशायानसूनान॥ अजनावलाव
विज्ञानहाकयाव॥ यनिस्थाचन्द्रमालिनकलंकभायाव॥ जनि
नृपमलङ्कनकामतवहान॥ हृदयकूकततनदयिवचदान॥ सि
नरिंशामिल्यापिनाथरूनि॥ एजनयअनृपुलनावना

सखायामदायानवान् मूकटलमाकगिनस्रसिककूकत
सनसारान॥ ध्यामरुयाशाएनजमनशालरुननयकालसला
पियायि॥ सति॥ मियतिनृयशातलिसाल॥ अ॥ यनिस्थाचन्द्र
माकाटिमरुलनिर्मलखाभाजान॥ अमूल्यमनिनमकनकूपुल
जानकससलान॥ अ॥ कामाकमानमलिनमिसनयतकूकमनस

यनयति यतयूदधमिखा हावन लातसर्वस ॥ ५ ॥ अमृतवस
 सपूतनगनसवन मातवाल हाकू अतिमयायदधसयतपस
 थजात ॥ ५ ॥ कोमुलमलिमूतकयि सवसगजलकसीन किय ३
 कंकन थतना हागसमाहन अनहीन ॥ ५ ॥ नामथनयलया ६ न
 यानसाक्षि नसायायान सिद्धिन वसिं आसामिन शिक्क यथिनाथ

नामकान ॥ ५ ॥ नागजसविनी ॥ अति ॥ उननिन नितमलमि
 नासा नयलहन कुलमगनवान जितस्थान मातलाता अस्मि
 कनसिक्क रत्तुनियानगत्या गत सायानजमया अन्नगस
 ययायमात ॥ ५ ॥ वातकनथमनिवाल वातनिमूलन ॥ ५ ॥



६५ मध्याह्नं रुद्रं नमः ॥ नालुनसत्यमयनयनेना
चायं मम वेदनं ॥ यद्वा कायिनू विद्युतं ॥ ४५ ॥ तिष्ठत
(कायिक विद्युतं यमि ॥ ४५ ॥ मम मम सवना ॥ ४५ ॥
यकेनालाय लयवयाधीनं ॥ धृगवानासिवदेवि
दिगवहि ॥ चानि मरवदे ॥ के शवधृगमनिगना

नडा यजमानो जाह्नवं ॥ ४५ ॥ निनमि विद्युतं नम
वनि ॥ ४५ ॥ धननिधननाकिवक गनि ॥ ४५ ॥ केन
वचनं कस्तु यद्रयजयजगदी गहनं ॥ वसुमिदं
॥ ४५ ॥ धननी गव लय ॥ ४५ ॥ निनक लके लव
निनक ॥ केन वचनं यद्रयजयजगदी गहनं ॥

[illegible]

जगदीश्वर ॥ निन्दसि यद् विधे नरुह गृणि जालं स
दयद दयद मिगय श्रुवाग किं गव धृगव दगनीन
जय जगदीश्वर नासिक निवल निधन कलयसिक
नवाल धूमकसु मिव कि मयिकनाल किं गव धृगव ककि
मनीन जय जगदीश्वर ॥ जय दव के वे विद

मदिगमूदानं ॥ १२ ॥ सुखदं सुखं लभते ॥ कर्म बधु
मदभाविधुनय उच्यते गदिगदना ॥ १३ ॥ विद्वान् ब्रह्म गग
पतिर्यजुः पातिवह गेह ॥ १४ ॥ मलमू द्विभुगदं यं दानय
गवलिक लयगं कृषिपुयं कृषिगं यो लस्यं जयगं लल
कलयगं कावू अमो गनगं सखा नृकयगं दग्गमकृमि

कृगद्ये प्रायउत्थनं मशान ॥ १५ ॥ इनी नागा ॥
डास्त्रानयतदावयनान ॥ यलयनिमिखा एव वसनना महानाव
सनवसतातकृतकाव सिद्धिननसिंहासामिनायचउनमिस्
नानमनमनसायाव ॥ १६ ॥ नागमातना ॥ यद्विस्थाचन्द्रमारवानस
मूर्धकलान कृष्टुनवसूतस कमसानसा लान ॥ नृगनसू मनलाय

यथादिगं यथादिगं यथादिगं यथादिगं यथादिगं

तज्जानकाल मनि मूगमालन गतिगलजात ॥ अगुन कस नचा
नायदिकन कन लूडनिदहसडासिवसतनपूना ॥ धनमनशु
लजीवजेवनचउ नथनिहनिहयहनिधिति थदू ॥ महन
वकगवनक गयनगाग सिद्धिनन सिंझासामिलमपिनो रथ नीग
॥ नागवसंग ॥ न ॥ नानावानअनवनसवनचूनीन ॥ जेवनमज

मयासानवाल काममिन ॥ वसुनसमचय मन्त्रयकाम्यादूतमा
धवशहसिनअतिअशुतधूत ॥ ५ ॥ काकिलसूसनहनसूस
नमखव लमन्याभारवसायानधदनाजाव ॥ ६ ॥ दकिनसित
शुखनचमडागनाय अमान्यसिमानसायलूमलूमखाय ॥ ७ ॥ य
नमसुनवसजिवपनियाति गिव गिवधिक सिक्कगितिनिजाति

